

SUMMARU TRIAL UNDER SECTION 263 THE CRIMINAL PROCEDURE CODE 1998
IN THE COURT OF A.K.Gupta J.M.F.C. Gohad , DIST-. Bhind (M.P)

Case No. 137/17 दि. फा. Complaint or report made on

Name and address of the Complainant श्री. के. गुप्ता
वायिक. नजिस्ट. प्रथम प्रज
.....
.....

Name , parentage, caste and address of accused

सुल्ताक 870 मुन्नालाल मोर्य 35-29 साल
मि. वडि न. 13 भा. मिला मिर

The offence, complainant of, and date of, its alleged commission

आपने दिनांक 27-3-17 को समय लगभग 16/12 बजे, स्थान
अंतर्गत थाना इरह में वाहन मोटर साइकिल को
MP 27 M.H. 9328 उपेक्षा अथवा उतावलेपन से चलाया जिससे आहत
श्री. गुप्ता को साधारण उपहति करित हुई इस प्रकार आपने ऐसा कृत्य किया है जो
कि भा0द0वि0 की धारा 279 के तहत दण्डनीय अपराध है और इस न्यायालय
के संज्ञान में आता है।

क्या आपको उक्त अपराध स्वीकार है या प्रतिरक्षा चाहते हो

(A.K.Gupta)
Judicial Magistrate First Class
Gohad distt. Bhind (M.P.)

The plea of the accused and his examination (if any)

जुर्म स्वीकार है। माफ़ किया जावे।

(A.K.Gupta)
Judicial Magistrate First Class
Gohad distt. Bhind (M.P.)

The offence proved. If any and in case under clause(d) clause(f) clause(g) of sub section 260 the value of the property in respect of which the offence has been committed.

// निर्णय //

(आज दिनांक 9/10/17 को घोषित)

01. आरोपी को स्वेच्छिक संस्वीकृति के आधार पर उसे भा0द0वि0 की धारा 279 के तहत दण्डनीय अपराध का दोषी पाते हुए दोषसिद्ध ठहराया जाता है।
02. दण्ड के प्रश्न पर विचार किया गया। आरोपी के विरुद्ध अभिलेख पर कोई पूर्व दोषसिद्धि अभिलिखित नहीं है। अतः आरोपी की संस्वीकृति एवं अपराध की प्रकृति को दृष्टिगत रखते हुये आरोपी को भा.द.वि. की धारा 279 के तहत दण्डनीय अपराध के आरोप में सिद्धदोष पाते हुए, भादवि0 की धारा 71 एवं दप्रस की धारा 222 के प्रावधानों को ध्यान में रखते हुए न्यायालय उठने तक की अवधि की सजा एवं रुपये 1500/- (एक हजार पचास रुपये) के अर्थदण्ड से दण्डित किया जाता है।
03. अर्थदण्ड संदाय में व्यतिक्रम की दशा में अभियुक्त को 7 दिवस की अवधि के साधारण कारावास से भुगताया जावे।
04. जप्तषुदा सम्पत्ति वाहन को उसके पंजीकृत स्वामी को लौटाया जाये। सुपुर्दगी की दशा में सुपुर्दगीनामा निरस्त समझा जावे। अपील की दशा में माननीय अपील न्यायालय के आदेश का पालन हो।

मेरे निर्देशन पर टंकित


(A.K. Gupta)

Judicial Magistrate First Class
Gohad distt. Bhind (M.P.)